गुस्ताखी माफ

आम आदमी कौन अब, पैदल चलता यार।
हर बंदे के पास है, अपनी बाइक-कार।
अपनी बाइक-कार, गेड़ियां सभी लगाते।
केवल करने सैर, लोग अब पैदल आते।
कह साहिल कविराय, नहीं बच्चा तक टलता।
आम आदमी कहां, यार अब पैदल चलता।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 185 | SUNDAY 12-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

सावधान ! साइबर हैकर्स के निशाने पर आपके भरोसेमंद कर्मचारियों के व्हाट्सअप एकाउंट्स

बाल बाल बचे ज्वैलर और कपड़ा कारोबारी

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। साइबर ठगों द्वारा ठगी मारने के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। अब साइबर अपराधियों की और से ठगी करने के लिए कंपनियों के अकाउंटेंट्स को ही जरिया बनाना शुरू कर दिया गया है। दरअसल, कंपनियों के अकाउंटेंट का पहले व्हाट्सएप हैक किया जाता है, फिर एक फर्जी नंबर से मालिक के नाम का मैसेज अकाउंटेंट को भेजा जाता है। जिसके बाद अकाउंटेंट से धोखे के साथ मोटी रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा ली जाती है। लुधियाना पंजाब की आर्थिक राजधानी है। कारोबारी शहर होने के चलते यहां पर ठगों द्वारा ज्यादा फोक्स किया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान लुधियाना में ऐसे कई मामले देखने को मिले हैं। जिसमें एक ज्वेलर और डाइंग कारोबारी को शिकार बनाना का प्रयास किया गया। हालांकि पीड़ितों द्वारा समय रहते अलर्ट हो जाने पर उनका बचाव हो गया। लेकिन उनकी तरफ से इस संबंधी साइबर क्राइम सैल को शिकायत दी गई है। लेकिन इससे हर शहरवासी को अलर्ट होने की जरुरत है।

ऐप के जरिए मनमर्जी नाम व नंबर भरकर मैसेज भेजते हैं ठग

दरअसल, साइबर ठगों द्वारा कई आधुनिक ऐप इस्तेमाल की जाती है। जिसमें कुछ पेमेंट देकर अकाउंट बनाया जाता है। उक्त ऐप के जरिए मनमर्जी मोबाइल नंबर और मनमर्जी नाम भरा जा सकता है। ऐप जरिए अगर किसी को कॉल या मैसेज किया जाएगा, वहां ऐप में जो नाम और नंबर भरा होगा, वहीं दूसरे व्यक्ति को शो होगा। ऐसे करके ठगों द्वारा अकाउंटेंट द्वारा सेव किए मालिक के नंबर और नाम का इस्तेमाल कर उक्त ऐप के जरिए मैसेज भेजा जाता है। जिससे अकाउंटेंट को शक नहीं होता और ठगी होती है।

अकाउंटेंट का नंबर और व्हाट्सएप करते हैं हैक

दरअसल, साइबर ठगों द्वारा बड़े शातिर तरीके से वारदात की जाती है। उनकी तरफ से सबसे पहले कंपनियों की सर्च की जाती है। फिर उनके अकाउंटेंट के नंबर ढूंढे जाते हैं। उनके नंबर और व्हाट्सएप ऐप दोनों को हैक किया जाता है। फिर उक्त ऐप के जरिए पता लगाया जाता है कि अकाउंटेंट किस-किस से बात कर रहा है और उसके मालिक की जानकारी जुटाई जाती है। फिर वारदात की जाती है।

ज्वेलरी व्यापारी से 75 लाख की ठगी का प्रयास

चर्चा है कि शहर के एक ज्वेलरी व्यापारी से साइबर ठगों ने 75 लाख रुपए की ठगी करने का प्रयास किया। जिसमें ठगों द्वारा ज्वेलर के अकाउंटेंट पर मालिक के नाम से एक मैसेज भेजा। जिसमें एक अकाउंट नंबर देकर 75 लाख रुपए आरटीजीएस कराने को कहा। जब अकाउंटेंट ज्वेलर मालिक के हस्ताक्षर कराने आया तो उसने अचानक उक्त रकम के बारे में पूछ लिया। जिस पर अकाउंटेंट ने मैसेज दिखाया। जबकि वे मैसेज व्यापारी ने नहीं भेजा था। जिससे ठगी से बचाव हो गया।

डाइंग व्यापारी से दो करोड़ की ठगी की कोशिश

इसी तरह शहर के एक डाइंग व कपड़ा व्यापारी से दो करोड़ की ठगी की कोशिश की गई। पहले मामले की तरह ठगों ने व्यापारी के अकाउंटेंट को मैसेज भेजा और 2 करोड़ रुपए ट्रांसफर करने को कहा। अकाउंटेंट ने पूरी तैयारी कर हस्ताक्षर के लिए मालिक के पास डिटेल भेजी। मालिक बाहर टूर पर होने के कारण हस्ताक्षर नहीं कर पाए। जिससे 3-4 दिन पड़ गए। फिर जब मालिक वापिस आया तो उसने 2 करोड़ की कोई भी रकम ट्रांसफर करने के आदेश न देने की बात कही। जिससे ठगी का पता चला।

ह्यूमन साइकॉलोजी के साथ कर रहे खेल

दरअसल, ह्यूमन साइकॉलोजी का इस्तेमाल कर साइबर ठग फ्रॉड करते हैं। अब किसी के मोबाइल में कोई नंबर सेव हो और उसी नंबर के सेव किए नाम का हूबहू नाम का मैसेज आने पर कोई शक नहीं कर पाता। जिसके चलते कोई नंबर चैक नहीं करता। अकाउंटेंट भी उसे मालिक का समझ लेते हैं। इस तरह ठगी हो जाती है।

नशे की हालत में घूम रहा युवक गिरफ्तार, डोप जांच में पुष्टि

प्रीत विहार में गश्त के दौरान पुलिस ने पकड़ा, एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/11 जुलाई। बलटाना क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर नशे की हालत में घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में कराई गई डोप जांच की रिपोर्ट सकारात्मक आने के बाद आरोपित के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार एएसआई ओंकार सिंह पुलिस दल के साथ प्रीत विहार, बलटाना में गश्त कर रहे थे और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक युवक नशे की हालत में मिला। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान प्रीत विहार, बलटाना निवासी 30 वर्षीय शरद पुत्र परविंदर सिंह के रूप में बताई। पुलिस उसे जांच के लिए सिविल अस्पताल फेज-छह, मोहाली लेकर गई, जहां उसका डोप परीक्षण कराया गया। पुलिस के अनुसार मेडिकल रिपोर्ट में युवक के नशा करने की पुष्टि हुई। इसके बाद जीरकपुर पुलिस थाने में उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया। मामले की आगे की जांच एएसआई ओंकार सिंह कर रहे हैं।

सिर्फ धमकी का दावा पुलिस सुरक्षा का आधार नहीं, विश्वसनीय सबूत जरूरीः हाईकोर्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल जान से मारने की धमकी मिलने का दावा करने भर से किसी व्यक्ति को पुलिस सुरक्षा देने का आदेश नहीं दिया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि पुलिस की विस्तृत जांच में धमकी के आरोपों के समर्थन में कोई विश्वसनीय साक्ष्य नहीं मिलता, तो न्यायालय उस निष्कर्ष में हस्तक्षेप नहीं करेगा। जस्टिस मनीषा बत्रा ने फरीदाबाद के दो निवासियों द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत हाईकोर्ट की भूमिका केवल पर्यवेक्षी (सुपरवाइजरी) है। अदालत किसी अपीलीय मंच की तरह तथ्यों और साक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं कर सकती। याचिकाकताओं ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने, 10 अप्रैल 2026 के पुलिस आदेश को रद्द करने और खुद तथा अपने परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि पड़ोसियों के साथ विवाद में दर्ज एफआईआर के बाद आरोपी उन्हें लगातार केस वापस लेने के लिए धमका रहे थे। हालांकि, राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि सहायक पुलिस आयुक्त द्वारा की गई विस्तृत जांच में दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद और मुकदमों की जानकारी सामने आई।

महादेव ऐप घोटाले का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर ओमान में अरेस्ट, फर्जी पासपोर्ट बनवाया, कारोबारी साथी की 940 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क

पंजाब/यूटर्न/11 जुलाई। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप के कथित संचालक सौरभ चंद्राकर को ओमान में गिरफ्तार किया गया है। उस पर फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश करने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय एजेंसियों की ओर से जारी इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। अब भारत सरकार उसे वापस लाने के लिए ओमान से प्रत्यर्पण (एक्सट्राडिशन) की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है। सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद महादेव बेटिंग ऐप का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। वहीं ईडी की और से सौरभ के करीबी रायपुर के कारोबारी विकास गर्ग और उनके परिवार की 940 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क कर ली है। विकास द्वारा महादेव बेटिंग ऐप का पैसा अलग अलग कंपनियों में इन्वेस्ट किया जाता था।

आरोपी सौरभ चंद्राकर

आरोपी रवि उप्पल

जूस वाला बना करोड़पति

सौरभ चंद्राकर का जन्म छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक सामान्य परिवार में हुआ। वे जूस की दुकान चलाता था। लेकिन फिर दुबई चला गया। वहां अपने दोस्त रवि उप्पल को बुला लिया। दोनों ने मिलकर महादेव ऑनलाइन बुक नाम से ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क तैयार किया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, दुबई बैठकर उन्होंने भारत समेत कई देशों में ऑनलाइन सट्टेबाजी का कारोबार चलाया और देखते ही देखते हजारों एजेंटों का नेटवर्क खड़ा कर दिया। महादेव सट्टा ऐप के जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन, पोकर, कार्ड गेम और यहां तक कि चुनावों पर भी अवैध सट्टा लगाया जाता था। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क की सबसे मजबूत जड़ें छत्तीसगढ़ में थीं। यहां बड़ी संख्या में बैंक खाते खुलवाए गए।

दुबई में २०० करोड़ की शादी

फरवरी 2023 में सौरभ चंद्राकर ने दुबई में शादी की। जांच एजेंसियों के मुताबिक इस शादी में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए गए। परिवार और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए प्राइवेट जेट लगाए गए। शादी में लग्जरी होटल बुक किए गए और ग्रैंड सेलिब्रेशन किया गया। शादी में बॉलीवुड एक्टर, सिंगर, एक्ट्रेस ने परफॉर्मेंस दिए। सनी लियोनी, नेहा कक्कड़, एली एवराम, आतिफ असलम, राहत फतेह अली खान, अली असगर, विशाल दादलानी, टाइगर श्रॉफ, भाग्यश्री, पुलकित सम्राट, कृति खरबंदा, नुसरत भरूचा, कृष्णा अभिषेक जैसे दर्जन भर बॉलीवुड सितारों ने परफॉर्म किया। जांच के दौरान एऊने दावा किया कि महादेव ऐप के संचालक पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए अधिकारी और राजनेताओं तक प्रोटेक्शन मनी पहुंचाई जाती थी।

गिरफ्तारी से बचने के लिए वानूआतू की नागरिकता

महादेव बेटिंग ऐप मामले में ईडी की कार्रवाई तेज होने के बाद सौरभ चंद्राकर और उसके करीबी सहयोगी रवि उप्पल ने भारत की नागरिकता छोड़कर प्रशांत महासागर के छोटे द्वीपीय देश रिपब्लिक ऑफ वानूआतू की नागरिकता ले ली। इसकी जानकारी करीब 2 साल पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सामने आई थी। वहीं, जांच एजेंसियों का आरोप है कि दोनों ने भारत में दर्ज मामलों और कानूनी कार्रवाई से बचने तथा प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को जटिल बनाने के उद्देश्य से विदेशी नागरिकता हासिल की।

आलीशान प्रॉपर्टियां हुई कुर्क

ईडी अनुसार, कुर्क संपत्तियों में आलीशान आवासीय भवन, विभिन्न स्थानों पर स्थित भूखंड, व्यावसायिक भूमि, इक्विटी शेयर, अन्य प्रतिभूतियां (सिक्योरिटीज), निवेश और वित्तीय परिसंपत्तियां शामिल हैं। एजेंसी का कहना है कि ये सभी संपत्तियां महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज के जरिए संचालित अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क से अर्जित अपराध की आय से खरीदी गई थीं या उसी धन के माध्यम से तैयार की गई वित्तीय संरचना का हिस्सा थीं।

शेल कंपनियों में इन्वेस्ट होती थी ब्लैकमनी

ईडी की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि सट्टेबाजी से अर्जित रकम को सीधे उपयोग में नहीं लाया जाता था। इसके लिए पहले नकदी के बदले फर्जी एंट्री तैयार कराई जाती थी। इसके बाद दर्जनों शेल कंपनियों, फर्जी व्यावसायिक लेनदेन और कई स्तरों वाले बैंकिंग ट्रांजेक्शन के जरिए धन को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में स्थानांतरित किया जाता था ताकि उसकी वास्तविक उत्पत्ति छिपाई जा सके। जांच में सामने आया कि इस पूरी प्रक्रिया के जरिए लगभग 940.77 करोड़ रुपये की अपराध की आय विकास गर्ग के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनियों तक पहुंचाई गई। बाद में इन्हीं पैसों का उपयोग शेयर खरीदने, कंपनियों में निवेश करने, प्रतिभूतियां खरीदने, जमीन और अन्य अचल संपत्तियां अर्जित करने में किया गया।

लालडू आईटीआई चौक बना हादसों का केंद्र, हर वर्ष बढ़ रहे हादसे, कई लोगों की जा चुकी जान

लालडू अंबाला/यूटर्न/11 जुलाई। चंडीगढ़ मुख्य मार्ग पर स्थित आईटीआई चौक पर हुए हादसो से चौक का रंग लाल हो चुका है। यहां हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे कई परिवारों के चिराग बुझ चुके हैं, जबकि अनेक लोग घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा इस गंभीर समस्या की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। जानकारी के अनुसार, फोरलेन बनने के बाद भी आईटीआई चौक पर हादसों में

कमी नहीं आई है। यह चौक लालडू गांव और हंडेसरा मार्ग को जोड़ता है, जो नारायणगढ़ सहित अन्य शहरों के लिए महत्वपूर्ण लिंक सड़क है। हंडेसरा मार्ग पर दर्जनों गांव, चौक के पास सरकारी अस्पताल, आईटीआई, अनाज मंडी, फैक्ट्रियां और सामान्य बाजार सहित कई अन्य सार्वजनिक और निजी संस्थान हैं। इसके अलावा, लालडू के किसानों का अपने खेतों में आना-जाना भी इसी चौक से होता है। चौक पर हर समय वाहनों की भारी भीड़ रहती है और सड़क पार करना बेहद मुश्किल हो जाता है। हादसों को रोकने और जाम की स्थिति से निपटने के लिए यहां ट्रैफिक पुलिस बूथ स्थापित के अलावा ट्रैफिक लाइट भी लगाई गई है। ट्रैफिक लाइट व्यवस्था होने से हादसों में जरूर कमी आई है लेकिन कुछ हरियाणा रोडवेज बस व अन्य वाहन चालकों की लापरवाही से हर समय हादसा होने का डर बना रहता है।

'सतलुज' फि ल्म का असरः वोट से ज्यादा गरमा-गरमी ?

पंजाब की राजनीति अक्सर सिर्फ.घोषणापत्रों और कामकाज पर ही नहीं, बल्कि उन पलों पर भी टिकी रही है जो लोगों की सामूहिक भावनाओं को जगाते हैं। 'सतलुज' फि ल्म का रिलीज होना भी ऐसा ही एक पल बन सकता है। हो सकता है कि यह अकेले राज्य का राजनीतिक नक्शा न बदल पाए, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले यह 'पंथिक' राजनीति को नई रफ़्तार दे सकती है, खासकर माझा क्षेत्र के ज़िलों जैसे तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर में। पंजाब ने ऐसा पहले भी देखा है। 2022 में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या सिर्फ.कानून-व्यवस्था से जुड़ी त्रासदी नहीं थी; यह एक राजनीतिक प्रतीक बन गई थी। उनकी हत्या पर लोगों का गुस्सा और उनकी सुरक्षा वापस लेने से जुड़ा विवाद एक ऐसा भावनात्मक माहौल बना गया, जिसका फायदा संगरूर लोकसभा उपचुनाव में सिमरनजीत सिंह मान को मिला।

संदीप शर्मा, सम्पादक

'सतलुज' में भी लोगों की बातचीत और सोच में इसी तरह का बदलाव लाने की क्षमता है, भले ही वह उतना नाटकीय न हो। यह फि ल्म पंजाब के इतिहास के उस दर्दनाक अध्याय को फिर से सामने लाती है जो आज भी लोगों में गहरी भावनाएं जगाता है, खासकर उन इलाकों में जहाँ उग्रवाद के दौर की यादें लोगों के दिलों में गहराई से बसी हैं। 'वारिस पंजाब दे' जैसे संगठनों के लिए ऐसे पल सिख पहचान, ऐतिहासिक शिकायतों और पंजाब व केंद्र के रिश्तों पर बहस को फिर से शुरू करने का मौका देते हैं। उन्हें अपनी विचारधारा के लिए व्यापक समर्थन की जरूरत नहीं होती; उन्हें बस इतना चाहिए होता है कि ये मुद्दे लोगों की बातचीत में छाए रहें।

शिरोमणि अकाली दल को भी इससे कुछ फायदा हो सकता है। पिछले एक दशक में अपना पारंपरिक पंथिक समर्थन आधार लगातार खोने के बाद, पार्टी मतदाताओं को ज्यादा कट्टरपंथी आवाजों की ओर जाने से रोकने के लिए धार्मिक और पहचान-आधारित नैरेटिव को फिर से मजबूत कर सकती है। यह एक ऐसी राजनीतिक जगह है जिस पर कभी अकाली दल का दबदबा था, लेकिन 2015 में बेअदबी की घटनाओं से अकाली दल को जबरदस्त झटका लगने के बाद अब उन्हें इसे नए संगठनों के साथ असहज स्थिति में साझा करना पड़ता है।

फिर भी, इस तरह की राजनीति की भी अपनी सीमाएँ हैं। पंजाब के मतदाताओं ने हमेशा भावनात्मक जुड़ाव और चुनावी समर्थन को अलग-अलग रखा है। वे 'सतलुज' देख सकते हैं, इसके संदेश पर बहस कर सकते हैं और इतिहास के इसके चित्रण से सहानुभूति भी रख सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे अलगाववादी या चरमपंथी राजनीति का समर्थन करने लगेंगे। वही मतदाता जो इतिहास से प्रभावित होता है, वह ड्रग्स से आजादी, बेहतर स्कूल, रोजगार के अवसर और एक ज़िम्मेदार सरकार भी चाहता है। 'सतलुज' फिल्म के 2027 के चुनावी नतीजों के बजाय, चुनाव प्रचार के माहौल पर असर डालने की ज्यादा संभावना है। यह हाशिए पर मौजूद संगठनों को एक नई कहानी देकर मजबूत कर सकती है और मुख्यधारा की पार्टियों को अपने 'पंथिक' संदेशों को नए सिरे से तय करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन जब तक चुनावी एजेंडे से गवर्नेंस (शासन-प्रशासन) के मुद्दे गायब नहीं हो जाते, तब तक इस बात की संभावना कम है कि यह फिल्म उन संगठनों को वह दिला पाएगी जो वे असल में चाहते हैं। पंजाब में भावनाएं बहस की दिशा तय कर सकती हैं, लेकिन चुनाव आमतौर पर वे ही जीतते हैं जो वोटरों को यह भरोसा दिला पाते हैं कि वे भविष्य को बेहतर ढंग से संभाल सकते हैं, न कि सिर्फ.अतीत की नई व्याख्या कर सकते हैं।

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 भगवान जगन्नाथ रथयात्रा 30 वर्षों से लुधियाना...

कांग्रेस हल्का सेंट्रल ब्लॉक प्रधान विपन अरोड़ा ने मंडल अध्यक्षों के साथ की बैठक

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। लुधियाना कांग्रेस कमेटी हल्का सेंट्रल के ब्लॉक प्रधान विपन अरोड़ा की अध्यक्षता में कांग्रेस हाईकमान के दिशानिदेर्शों के तहत हल्का सेंट्रल के मंडल अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई ।बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकताओं में नया उत्साह भरने तथा वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रत्येक मंडल में पार्टी की गतिविधियों को तेज करने, बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और कांग्रेस की नीतियों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। विपन अरोड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को और अधिक मजबूत करें तथा जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें और पार्टी की जनहितैषी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएं। बैठक में मंडल अध्यक्ष सौरव पलटा, विपन सूद, राजू नाहर, संजीव कपूर, भारत शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्रों में नगर निगम की बड़ी कार्रवाई: अतिक्रमण हटाने के दौरान 92 चालान, सामान जब्त

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। नगर निगम चंडीगढ़ ने आम लोगों और दुकानदारों से मिली शिकायतों के बाद शनिवार को इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 और फेज-2 में विशेष एंटी-एन्क्रोचमेंट (अतिक्रमण विरोधी) अभियान चलाया। इस दौरान सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाते हुए बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया गया। नगर निगम की प्रवर्तन टीमों ने कार्रवाई के दौरान प्लास्टिक कुर्सियां, टेबल, गद्दे, लकड़ी की मेजें, लोहे की टेबल और लोहे के काउंटर सहित अन्य सामान को हटाकर अपने कब्जे में लिया, जिन्हें नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से रखा गया था।

अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई और प्रवर्तन कर्मचारियों के सहयोग से पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नगर निगम ने अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ कुल 92 चालान जारी किए। नगर निगम ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

आजाद किसान मोर्चा पंजाब ने 12 जुलाई को चेतन शर्मा की गिरफ्तारी के लिए सिख संगठनों के आह्वान का समर्थन करने की घोषणा की

पंजाब सरकार की बदली हुई लैंड पूलिंग पॉलिसी किसी भी हालत में लागू नहीं की जाएगी

सुनील पांडे

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। आजाद किसान मोर्चा पंजाब फोरम की आज लुधियाना में एक अहम मीटिंग हुई, जिसमें इंडो-वर ट्रेड एग्रीमेंट, पंजाब सरकार की बदली हुई लैंड पूलिंग पॉलिसी का विरोध, किसानों की मौजूदा स्थिति और पंजाब के सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मीटिंग में पूरे पंजाब से अलग-अलग किसान नेताओं ने हिस्सा लिया।

मीटिंग के बाद जारी एक प्रेस बयान में सुख गिल मोगा, जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा और परमजीत सिंह जब्बोवाल ने कहा कि भारत-वर ट्रेड एग्रीमेंट देश के किसानों, खेती, छोटे व्यापारियों और आम लोगों के हितों के खिलाफ है। अगर यह एग्रीमेंट लागू हुआ तो इसके दूरगामी और गंभीर नतीजे सामने आएंगे। इसलिए, आजाद किसान मोर्चा पंजाब देश बचाओ मोर्चा के संघर्ष के आह्वान का पूरा समर्थन करता है।

नेताओं ने ऐलान किया कि 15 जुलाई, 2026 को पंजाब के अलग-अलग जिलों में बड़े पैमाने पर मोटरसाइकिल मार्च निकाले जाएंगे और प्रधानमंत्री के नाम रुञ्ट या तहसीलदार को अर्जी सौंपी जाएंगी, जबकि 21 जुलाई, 2026 को दिल्ली के किसान घाट पर होने वाली देश स्तरीय सभा में पंजाब से हजारों किसान ले जाए जाएंगे।

उन ग्रुप किसानों, मजदूरों, युवाओं, कर्मचारियों, दुकानदारों और आम लोगों से अपील की गई कि वे इस संघर्ष में ज्यादा से ज्यादा हिस्सा लें।

मीटिंग में चेतन शर्मा द्वारा माता गंगा जी, बाबा बुड्ढा जी और पवित्र गुरबानी के बारे में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई गलत भाषा की कड़ी निंदा की गई।

एनआईआरसी द्वारा NEXTGEN AI SUMMIT 2026 का सफल आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद (एनआईआरसी) की लुधियाना शाखा द्वारा, आईसीएआई की एआई समिति के तत्वावधान में, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन NEXTGEN AI SUMMIT 2026 – Code the Future का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में लुधियाना एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सम्मेलन इस बात का प्रमाण रहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का पेशा आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस एवं

उभरती हुई तकनीकों को अपनाकर अपनी कार्यक्षमता, उत्पादकता तथा व्यावसायिक उत्कृष्टता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का शुभारम्भ सीए केशव गुप्ता, सचिव, लुधियाना शाखा के उद्घाटन उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात सीए विकास गोयल, अध्यक्ष, लुधियाना शाखा ने संबोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है तथा सदस्यों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने के लिए एआई आधारित तकनीकों को अपनाना चाहिए। इस दौरान विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू मुख्य अतिथि थे। जिसमें भाविन गोकलानी, सीए हरप्रीत सिंह, सीए ऋद्धी जैन, सीए दीपक भोलूसारिया, राष्ट्रीय एआई फैकल्टी, आईसीएआई, सीए मोहित गाबा मुख्य रुप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में लुधियाना शाखा की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सीए विकास गोयल, उपाध्यक्ष सीए राकेश कुमार ग्रोवर, सचिव सीए केशव गुप्ता, कोषाध्यक्ष सीए अवनीत सिंह, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन अध्यक्ष सीए शिल्पी शर्मा, पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन सीए मोहित वासन, प्रबंध समिति सदस्य सीए सुमित भारती गुप्ता, सीए लविश गुप्ता और सीए अमन गर्ग मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन सीए राकेश कुमार ग्रोवर, उपाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उद्योगों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता, यूसीपीएमए में डीआईसी जीएम के साथ अहम बैठक

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। उद्योगों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक उद्यमियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (यूसीपीएमए) में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरसिमरजीत सिंह (लक्की) की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के जनरल मैनेजर एस.एस. रेखी अपनी टीम सहित मुख्य अतिथि

के रूप में शामिल हुए। बैठक के दौरान एस.एस. रेखी ने उद्यमियों को विभिन्न सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं, विभागीय सुविधाओं और उद्योग विस्तार से जुड़े अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी और सशक्त बनाना है तथा विभाग उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। एसोसिएशन ने मिक्स्ड लैंड एरिया से संबंधित व्यावहारिक दिक्कतों और उद्योगों के सामने आ रही डिले पेमेंट की गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाया।

सदस्यों ने बताया कि भुगतान में देरी से विशेषकर एमएसएमई इकाइयों की कार्यशील पूंजी प्रभावित होती है और उत्पादन पर भी असर पड़ता है। इस पर जनरल मैनेजर ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर समाधान की दिशा में प्रभावी प्रयास करने का आश्वासन दिया। बैठक में उद्योग हितों से जुड़े अन्य सुझावों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

सतलुज क्लब की जांच से दो गुटों में बंटे सदस्य

सवाल-फर्जी डिग्रियों पर सदस्यता रद्द होगी तो मंजूर करने वाली तत्कालीन टीमें क्यों नहीं जिम्मेदार ?

सदस्यों का दावा, जांच का दायरा बढ़ा तो करीब 1000 सदस्यताओं पर लटक सकती है तलवार

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। प्रतिष्ठित सरकारी सतलुज क्लब में जाली एवं फर्जी डिग्री, दस्तावेजों के आधार पर मैम्बरशिप लेने के मामले पर क्लब के भीतर राजनीती गरमा गई है। सदस्य इस मुद्दे पर दो गुटों में बंटे नजर आ रहे हैं। एक पक्ष प्रशासन की जांच को क्लब के नियमों और प्रतिष्ठा के लिए जरूरी बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष सवाल उठा रहा है कि इस कांड के लिए केवल ऐसे मैम्बरों को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा।

कुछ सदस्यों का कहना है कि विवादित मैम्बरशिप का मामला करीब 20 से 30 वर्ष पहले का है। उस समय मैम्बरशिप के आवेदन, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आयकर रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच करना तत्कालीन महासचिव, पदाधिकारियों और कार्यकारिणी की जिम्मेदारी थी। ऐसे में यदि अब किसी सदस्य की डिग्री या दस्तावेज फर्जी अथवा नियमों के विपरीत पाए जाते हैं तो दोष एवं जाँच केवल ऐसे मैम्ब्र की सदस्ता रद्द करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

नियमों को नजरअंदाज कर लिए गए फायदे !

वर्षों से प्रतिष्ठित सतलुज क्लब का मैम्बर होना रसुकदारों के लिए एक सम्मान एवं स्टेटस सिम्बल रहा है या यू कहें की क्लब में पीपीएस ,आईएसएस और आईपीएस अधिकारीयों के सदस्यों होने के चलते यह बड़े बड़े अधिकारीयों से नेटवर्किंग क्लब रहा है। ऐसे में कारोबारी बड़ी से बड़ी कीमत पर भी क्लब की मैम्बरशिप करते रह है वर्तमान समय में भी क्लब की मैम्बरशिप करीब ७ लाख रु की है ऐसे में एक्सपर्ट्स द्वारा एक आशंका जताई कि कहीं मैंबरशिप के नियमों को नजरअंदाज कर सदस्यता देने के बदले किसी स्तर पर अनुचित लाभ तो नहीं लिया गया। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि या दस्तावेजी प्रमाण सामने नहीं आया है। सदस्यों की मांग है कि प्रशासन निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट करे कि सदस्यता मंजूर करने की प्रक्रिया में किन पदाधिकारियों और समितियों की भूमिका रही थी।

खुलासा करने वाले का हो सम्मान

जिस पदाधिकारी ने क्लब की आधिकारिक मेल पर गुमनाम ईमेल भेज कर जाली दस्तावेजों के आधार पर हुए कांड का खुलासा किया है उसे भी सार्वजनिक तौर पर क्लब प्रेजिडेंट की और से सम्मनित करते हुए उनसे क्लब में हुई अन्य अनियमिताओं की भी जानकारी लेना अनिवार्य है। ताकिं क्लब की बेहतरी के लिए पर्याप्त सुधर किए जा सके।

तत्कालीन पदाधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग

विरोध जताने वाले सदस्यों का कहना है कि जाली दस्तावेजों के आधार पर मैम्बरशिप किसी एक वर्ष में नहीं बल्कि क्लब की अलग-अलग समय पर चुनी गई कार्यकारिणियों के कार्यकाल में ली गई है ऐसे में उस समय के पदाधिकारियों की जिम्मेवारी थी की वे मैंबसीप बढ़ाते हुए नए मैंबरों द्वारा जमा किए दस्तावेजों की सत्यापित जाँच लें ऐसे में नियमों का पालन किए बिना सदस्यता कैसे मंजूर कर दी, इसकी भी जांच होनी चाहिए। यदि आवेदन में कमी थी तो उसे उसी समय क्यों नहीं रोका गया।

जांच बढ़ी तो एक हजार सदस्यताओं पर संकट का दावा...क्लब के एक गुट का दावा है कि यदि सभी सदस्यताओं की शैक्षणिक योग्यता, आय और अन्य पात्रता शर्तों के आधार पर जांच की गई तो संदिग्ध सदस्यताओं की संख्या 200 या 300 तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि अनदेखी करने वाले पदाधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित होने से यह आंकड़ा करीब एक हजार तक पहुंच सकता है। सदस्यों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन साबित होने पर कार्रवाई समान रूप से होनी चाहिए। फर्जी दस्तावेज देने वाले सदस्य के साथ-साथ उन पदाधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए, जिन्होंने बिना पर्याप्त जांच के आवेदन स्वीकृत किए।

पुराने रिकॉर्ड जुटाना प्रशासन के लिए चुनौती

पुराने सदस्यता आवेदन, सत्यापन रिपोर्ट, बैठक के प्रस्ताव और कार्यकारिणी के फैसले जुटाना जांच टीम के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। कई सदस्यताओं को अलग-अलग कार्यकाल के दौरान मंजूरी दी गई थी। ऐसे में प्रत्येक मामले में यह पता लगाना होगा कि आवेदन किस समिति के सामने आया और किन पदाधिकारियों ने उसे स्वीकृति दी। जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि कितनी सदस्यताएं वास्तव में नियमों के विरुद्ध पाई गईं और क्या कार्रवाई केवल सदस्यों तक सीमित रहेगी या तत्कालीन पदाधिकारियों की भूमिका की भी जांच होगी।

VIP कल्चर विवाद पर AAP की अग्निपरीक्षा, हाईकमान के फैसले पर टिकी निगाहें

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। । लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी (AAP) के चेयरमैन परमपाल सिंह बाबा और हलका वेस्ट के सचिव एडवोकेट नितीश महलोत्रा के बीच वीआईपी कल्चर को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पार्टी के भीतर चर्चा का बड़ा विषय बन गया है। मामला पार्टी हाईकमान तक पहुंच चुका है और स्थानीय नेताओं के साथ कार्यकर्ताओं की नजरें अब आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की ओर से नितीश महलोत्रा के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब सरकारी नियमों के विपरीत एक निजी वाहन पर कथित तौर पर डंडी और हूटर लगाए जाने का मुद्दा सामने आया। इसे लेकर पार्टी की छवि प्रभावित होने की बात कही गई।

दूसरी ओर, नितीश महलोत्रा ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यदि पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी अपने वाहनों पर इसी तरह की डंडी या अन्य प्रतीक चिन्ह लगाते हैं, तो उनके खिलाफ भी समान कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना है कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भ्रष्टाचार और वीआईपी संस्कृति के खिलाफ राजनीति करने वाली आम आदमी पार्टी के लिए यह मामला एक बड़ी परीक्षा बन गया है। यदि पार्टी निष्पक्ष कार्रवाई करती है तो अनुशासन का स्पष्ट संदेश जाएगा, जबकि देरी या पक्षपात के आरोप संगठन की छवि पर असर डाल सकते हैं। फिलहाल सभी की निगाहें पार्टी हाईकमान के अंतिम निर्णय पर टिकी हुई हैं।

रंजिश में युवकों पर चाकुओं और रॉड से हमला, कई गंभीर घायल

मोहाली/यूटर्न/11 जुलाई। नयागांव की जनता कॉलोनी में पुरानी रंजिश के चलते कुछ युवकों पर चाकुओं और लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया। हमले में अप्पू हवलदार सहित कई युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अप्पू हवलदार ने बताया कि वह कैटरिंग का काम करता है। आठ जुलाई की शाम वह अपने दोस्त मनदीप, सुनील कुमार, रणजीत और लक्ष्मण के साथ जनता कॉलोनी स्थित एक सीमेंट स्टोर के पास खड़ा था। इसी दौरान संदीप, रूबल, नोडी, लक्ष्य और रवि वहां पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकुओं और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में अप्पू हवलदार और उसके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। परिजन सभी घायलों को तुरंत पीजीआइ चंडीगढ़ ले गए, जहां उनका इलाज जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार कुछ दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि उसी रंजिश के चलते इस हमले को अंजाम दिया गया। थाना नया गांव के प्रभारी शिवदीप सिंह बराड़ ने बताया कि घायल के बयान के आधार पर संदीप, रूबल, नोडी, लक्ष्य और रवि के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 115(2), 118(1), 351(3), 191(3) सहित हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

रसूख दिखाने के लिए अवैध सायरन-बत्ती लगाई तो भारी पड़ेगा शौक

पंचकूला/यूटर्न/11 जुलाई। सड़कों पर अवैध सायरन, हूटर और लाल-नीली बत्तियों का इस्तेमाल केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है।

पंचकूला पुलिस ने इसी तरह रसूख दिखाने की कोशिश कर रहे एक बिल्डर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसकी इनोवा हाईक्रॉस गाड़ी इंपाउंड कर दी और 33 हजार रुपये का चालान काटा।

ट्रैफिक पुलिस की टीम ने सेक्टर-9 में तेज सायरन की आवाज सुनकर गाड़ी को रोका। जांच में कार पर अनधिकृत रेड-ब्लू लाइट और हूटर लगा मिला। चालक वैध दस्तावेज भी पेश नहीं कर सका। पुलिस रिकॉर्ड की जांच में उसके खिलाफ चंडीगढ़ और पंचकूला में करीब 20 ट्रैफिक चालान पहले से लंबित पाए गए। वाहन को सेक्टर-5 थाने में खड़ा करवा दिया गया है। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने स्पष्ट किया कि सायरन और विशेष बत्तियां एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस जैसी आपात सेवाओं के लिए होती हैं। निजी शौक या प्रभाव दिखाने के लिए इनका इस्तेमाल गैरकानूनी है। पुलिस ने युवाओं और अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे खतरनाक और गैरकानूनी शौक से दूर रहें। नियमों का पालन न केवल जुर्माने से बचाता है, बल्कि सड़क पर दूसरों की जान भी सुरक्षित रखता है।

पेज 12 घग्गर का तेज बहाव बना जानलेवा, दोस्त को...

खामेनेई के अंतिम संस्कार में ट्रंप का 'जनाजा', 'लाश' और गूंजे मौत के नारे

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ तीखा विरोध देखने को मिला। अंतिम यात्रा और शोक समारोह में शामिल लोगों के एक समूह ने ट्रंप का प्रतीकात्मक जनाजा निकाला और उनके लेगो से बने पुतले को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान 'डेथ टू अमेरिका' और 'डेथ टू ट्रंप' जैसे नारे लगाए गए।

इस घटना के वीडियो ईरानी सरकारी मीडिया और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुए। रिपोर्टों के अनुसार, खामेनेई के अंतिम संस्कार में लाखों लोग शामिल हुए। शोकसभा के दौरान कई प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी और इजराइली नीतियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। कुछ लोगों के हाथों में ट्रंप के पुतले और अमेरिका विरोधी पोस्टर भी दिखाई दिए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि खामेनेई की मौत के पीछे अमेरिका और इजराइल की भूमिका रही है और इसी कारण समारोह में बदले की भावना से जुड़े नारे भी सुनाई दिए।

ट्रंप ने धमकियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी

इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में ईरान से मिल रही धमकियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि यदि उनकी हत्या की किसी भी साजिश में ईरान की संलिप्तता पाई गई, तो अमेरिका उसका अभूतपूर्व जवाब देगा। ट्रंप के इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। विश्लेषकों का मानना है कि खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान हुए ये प्रतीकात्मक प्रदर्शन केवल शोक तक सीमित नहीं थे, बल्कि उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच गहरे राजनीतिक और वैचारिक टकराव को भी एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया।

पुतले जलाने की घटना चर्चा का विषय बनी

अंतिम यात्रा के दौरान ट्रंप के लेगो पुतले को जलाने की घटना सबसे अधिक चर्चा का विषय बनी। वीडियो में देखा जा सकता है कि पुतले को आग लगाने के दौरान आसपास मौजूद लोग नारेबाजी कर रहे थे। इस प्रतीकात्मक विरोध को ईरान में अमेरिका विरोधी जनभावना के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान के शीर्ष राजनीतिक, सैन्य और धार्मिक नेताओं के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिक भी मौजूद थे। राजधानी तेहरान की सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी और पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शोक यात्रा के साथ-साथ अमेरिका और इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी लगातार जारी रहे।

फाइलें फेंकीं, संयम से न्यायः कोर्टरूम में हंगामा और जजों का शांत रवैया

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। कोर्टरूम ऐसी जगहें होती हैं जहाँ बहस तर्क के साथ की जाती है, गुस्से में नहीं। फिर भी, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में मर्यादा तोड़ने का एक अनोखा मामला सामने आया। खुद पेश होने वाले एक याचिकाकर्ता ने कथित तौर पर फाइलें फेंकीं, भारत के मुख्य न्यायाधीश को अपशब्द कहे और कार्यवाही में बाधा डाली। उसने मांग की थी कि बेंच उत्तर प्रदेश के एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे। जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और आलोक अराधे की बेंच आसान संस्थागत रास्ता चुन सकती थी। अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करना, दोषी को मिसाल बनाना और सजा के जरिए कोर्टरूम की गरिमा बनाए रखना। इसके बजाय, उन्होंने संयम बरता। याचिकाकर्ता की हालत को देखते हुए अदालत ने अवमानना या कोई अन्य कार्यवाही शुरू नहीं की। उन्होंने हंगामा करने वाले याचिकाकर्ता को कोर्टरूम से बाहर निकाला, उसके मामले के तथ्यों की जांच की, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने का कोई कारण नहीं पाया और याचिका खारिज कर दी। यह घटना न केवल याचिकाकर्ता के चौंकाने वाले व्यवहार के कारण, बल्कि उस पर न्यायपालिका की प्रतिक्रिया के कारण भी ध्यान देने योग्य है।

इस विषय पर 'यू-टर्न टाइम्स' की राय...अदालतों को अपना अधिकार ऊंची आवाज या ताकत के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि निष्पक्षता में जनता के भरोसे से मिलता है। उकसावे पर तुरंत प्रतिक्रिया न देकर, सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया कि संस्थागत ताकत अक्सर बदले की भावना के बजाय संयम में झलकती है। कोर्टरूम ऐसा अखाड़ा नहीं बन सकता जहाँ हर गुस्से भरे व्यवहार का जवाब और भी कड़े व्यवहार से दिया जाए। हालाँकि, इसे अव्यवस्था की छूट नहीं समझा जाना चाहिए।

संस्था का सम्मान करने की जिम्मेदारी भी...अदालत के सामने खुद पेश होने के अधिकार के साथ संस्था का सम्मान करने की जिम्मेदारी भी आती है। गाली-गलौज, डराना-धमकाना और शारीरिक रूप से बाधा डालना वकालत के स्वीकार्य तरीके नहीं हो सकते। कोर्टरूम में हंगामे को संभालने में बिताया गया हर मिनट उन याचिकाकताओं का समय छीनता है जो धैर्यपूर्वक न्याय का इंतजार कर रहे हैं। पहले से ही भारी पेंडेंसी (लंबित मामलों) के बोझ तले दबे न्यायिक तंत्र में, कोर्टरूम का अनुशासन केवल शिष्टाचार की बात नहीं है, यह न्याय प्रशासन के लिए जरूरी है।

टिप्पणी के पीछे कारण...याचिकाकर्ता की ₹हालतर₹ का अदालत का संक्षिप्त जिक्र एक और सिद्धांत को भी दर्शाता है : न्याय से उम्मीद की जाती है कि वह जानबूझकर की गई अवज्ञा और ऐसे व्यवहार के बीच अंतर करे जो सहानुभूति की मांग करने वाली परिस्थितियों से उपजा हो। इस टिप्पणी के पीछे क्या कारण था, इस पर अटकलें लगाए बिना, बेंच ने संकेत दिया कि गलत व्यवहार के हर कृत्य का स्वत: जवाब सजा नहीं होती।

कई तरह से सवाल हो रहे खड़े...यह घटना व्यावहारिक सवाल भी खड़े करती है। जैसे-जैसे ज्यादा लोग अपने केस खुद लड़ने का फैसला कर रहे हैं, अदालतों को कोर्टरूम की सुरक्षा और न्यायिक कामकाज में रुकावट डाले बिना गड़बड़ी करने वाले व्यवहार से निपटने के लिए मजबूत नियमों की जरूरत पड़ सकती है। चुनौती यह है कि कार्यवाही को व्यवस्थित रखते हुए खुलापन भी बनाए रखा जाए।

फाइलें फेंकने के बारे में नहीं है कहानी...आखिरकार, यह कहानी किसी आदमी के फाइलें फेंकने के बारे में नहीं थी। यह एक ऐसे संस्थान के बारे में थी जिसने अपनी ताकत का बेजा इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने गुस्से में आकर कोई प्रतिक्रिया दिए बिना कोर्टरूम के अनुशासन को बनाए रखा। ऐसे दौर में जब सार्वजनिक बातचीत में अक्सर गुस्से को बढ़ावा मिलता है, संयम का वह शांत प्रदर्शन ही शायद इस घटना से मिली सबसे अहम सीख हो सकती है।

कोटक महिंद्रा बैंक की बनूड़ शाखा में स्वास्थ्य जांच कैंप

बनूड़/यूटर्न/11 जुलाई। कोटक महिंद्रा बैंक की बनूड़ शाखा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया। कैंप में पहुंचे 52 लोगों के विभिन्न प्रकार के मेडिकल टेस्ट मुफ्त किए गए। जालंधर की मेट्रोपोलिस लैबोरेटरी की टीम ने लोगों के थायरॉइड, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, हीमोग्लोबिन, कम्प्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी) सहित अन्य आवश्यक जांच की। कैंप में अग्रवाल खाद भंडार बनूड़ के मैनेजर अरविंद टोनी बंसल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य जांच कैंप आयोजित करने पर कोटक महिंद्रा बैंक की बनूड़ शाखा के प्रयासों की सराहना की। अरविंद बंसल ने कहा कि इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप जरूरतमंद और आम लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होते हैं। उन्होंने सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से भी समय-समय पर ऐसे कैंप आयोजित करने की अपील की, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सके और बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। इस दौरान ब्रांच मैनेजर दिलबाग सिंह, वाइस मैनेजर अनिल कुमार और आरएम धुराली सुखप्रीत सिंह ने कैंप में सहयोग देने वाले अतिथियों और गणमान्य लोगों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच मेवा सिंह मोही कलां, विशाखा, नफीस खान, बीर सिंह, मनप्रीत सिंह सहित बैंक शाखा के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बड़े हादसे को न्योता दें सकता है ये शार्टकट

मनोज माटा /लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। पिछले कुछ महीनों से चाँद सिनेमा से आगे बुड्ढा दरिया के पुल पर निर्माण कार्य के चलते कुंदन पूरी से शिवपुरी की ओर मेन रोड के नीचे से जाने वाला रास्ता अक्सर बंद कर दिया जाता है ' जिसकी वजह से वाहन चालको को थोड़ा सा घूम कर जाना पड़ता है ' मगर इतनी जहमत उठाये कौन ' बंद रास्ते से निपटने के लिए दोपहिया वाहन चालकों ने डिवाइडर को तोड़ कर जानलेवा शार्टकट त्यार कर दिया है ' जो तेज गति से आते हुए वाहनों के कारण ये कट उनके साथ -साथ दुसरो के लिऐ भी जोखिम का कारण बन सकता है ' एलिवेटिड रोड से जालंधर की और जाने वाले वाहन अक्सर तेज गति से निकलते है ' जिस कारण कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है ' इसके बावजूद भी दो पहिया वाहन चालक बेपरवाह है ' वही नगर निगम के अफसर व अधिकारी भी वहा से आंखे बंद करके निकल जाते है ' अक्सर वहा से कुछही मीटर की दुरी पर पी सी आर और ट्रैफिक पुलिस मुलाजिम रूटीन चेकिंग के लिए रुकते है मगर इस और किसी का ध्यान नहीं जाता ' वही दुर्घटना रोकने मे प्रशासन भी लापरवाह नजर आता है '।

यूटर्न टाइम

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा 30 वर्षों से लुधियाना वासियों को पिरो रही है भक्ति की माला में : कंवल पाहवा

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) एवं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के तत्वावधान में 30वीं ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ रथयात्रा 16 जुलाई, वीरवार को श्री दुर्गा माता मंदिर जगराओं पुल से शाम 4 बजे निकाली जाएगी। रथयात्रा में हजारों श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर कीर्तन, नृत्य और भजन के माध्यम से भगवान की भक्ति में लीन होंगे। उपरोक्त शब्दों का प्रकटावा टिप्सन साइकिल के एमडी कंवल पाहवा ने जगन्नाथ सेवकों के साथ आयोजित बैठक में कियो कंवल पाहवा ने कहा कि इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद एवं श्रद्धेय गोपाल कृष्ण महाराज के सूक्ष्म नेतृत्व में यह रथयात्रा हर बार लुधियाना वासियों को भक्ति की माला में पिरोने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी से सुसज्जित विशाल रथ जब शहर की सडकों से होकर निकलेगा, तो पूरा वातावरण महामंत्र से गूंज उठेगा। कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा ने कहा कि 16 जुलाई को निकलने वाली 30वीं रथयात्रा ऐतिहासिक एवं आलौकिक होगी। कमेटी के महासचिव संजीव सूद बांका ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, प्रेम, भक्ति और मानवता का महापर्व है।

5 दिन शेष

विश्वभर में प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश देती है भगवान जगन्नाथ रथयात्रा : लवली धीर

● लुधियाना वुलेन मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन के महासचिव लवली धीर ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा विश्वभर में प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश देती है। इस यात्रा में जाति, धर्म, वर्ग और क्षेत्र की सीमाएं समाप्त हो जाती हैं तथा हर व्यक्ति भगवान के चरणों में एक समान भाव से जुड़ता है। उन्होंने कहा कि रथ की रस्सी खींचने मात्र से व्यक्ति को विशेष आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा इस बार भी भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम बनेगी।

वेव एस्टेटवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग हुई पूरी, मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन संपन्न

मोहाली/यूटर्न/11 जुलाई। वेव एस्टेट में आज सनातन धर्म सभा द्वारा प्रस्तावित मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन का पावन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, पंजाब के स्टेट प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभ्भा तथा वार्ड नंबर 41 की पार्षद (एम.सी.) गुरप्रीत कौर उभ्भा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर समस्त वेव एस्टेटवासियों एवं सनातन धर्म सभा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हरदेव सिंह उभ्भा एवं पार्षद गुरप्रीत कौर उभ्भा ने कहा कि वेव एस्टेट के निवासियों की लंबे समय से यह मांग थी कि क्षेत्र में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो। आज भूमि पूजन के साथ इस सपने को साकार

करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और शुभ शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण की शुरूआत नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मंदिर हमारी आस्था, सेवा, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत के केंद्र होते हैं। ऐसे धार्मिक स्थल समाज में आपसी भाईचारे, सद्भावना और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो तथा यह पावन धाम समस्त वेव एस्टेट एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए आस्था, सेवा और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बने। इस अवसर पर सनातन धर्म सभा के पदाधिकारी, समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में वेव एस्टेट के निवासी उपस्थित रहे।

QR कोड से ट्रैक होगी शराब की हर बोतल, हरियाणा सरकार ने लागू की नई डिजिटल आबकारी व्यवस्था

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। हरियाणा सरकार ने आबकारी व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को संशोधित क्यूआर कोड आधारित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली और आठ नई ऑनलाइन आबकारी सेवाओं का शुभारंभ किया। सरकार का दावा है कि इससे शराब की हर बोतल की डिस्टिलरी से लेकर खुदरा बिक्री तक निगरानी की जा सकेगी, जिससे अवैध शराब, तस्करी और टैक्स चोरी पर प्रभावी रोक लगेगी। साथ ही सरकारी राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई तकनीक आधारित व्यवस्था से आबकारी प्रशासन अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और आधुनिक बनेगा। इससे व्यापारियों को भी ऑनलाइन और पेपरलेस सेवाओं का लाभ मिलेगा तथा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा मिलेगा। नई ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली के तहत हर शराब की बोतल पर क्यूआर कोड होगा, जिससे उसकी पूरी यात्रा—डिस्टिलरी, बॉटलिंग, गोदाम, थोक और खुदरा बिक्री तक—रियल टाइम में ट्रैक की जा सकेगी। इससे विभाग को स्टॉक की निगरानी, नियमों के पालन और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आठ नई ऑनलाइन आबकारी सेवाओं की भी शुरूआत की।

पंजाब में विधानसभा चुनावों की दस्तक के बीच लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड में भी चुनावी सरगर्मी तेज

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। पंजाब में विधानसभा चुनावों की दस्तक के बीच जहां राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं, वहीं लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड (छरउछ) में भी आगामी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और चेयरमैन चुनाव को लेकर चुनावी माहौल गर्मा गया है। कंपनी के सदस्य और उम्मीदवार चुनाव को लेकर सक्रिय हो गए हैं तथा समर्थन जुटाने के लिए लगातार संपर्क अभियान चला रहे हैं।

इसी क्रम में डायरेक्टर पद के उम्मीदवार सीए राकेश गुप्ता और सीए राजेश कुमार शर्मा ने कंपनी के सदस्यों से अनुभवी, पारदर्शी और भविष्य विकास नेतृत्व के नाम पर समर्थन देने की अपील की है। दोनों उम्मीदवारों का कहना है कि कंपनी को मजबूत कॉरपोरेट गवर्नेंस, वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और सदस्यों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। उनका दावा है कि यदि उन्हें अवसर मिलता है तो वे कंपनी की कार्यप्रणाली को और अधिक जवाबदेह, आधुनिक और विकास के लिए काम करेंगे।

चेयरमैन टीएस थापर

वर्तमान में वर्ष 2020 से टी.एस.थापर लुधियाना स्टॉक एंड कैपिटल लिमिटेड के चेयरमैन के रूप में कार्यरत हैं। ऐसे में इस बार का चुनाव कंपनी के भविष्य और नेतृत्व को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनाव से पहले उम्मीदवार अपने विजन और योजनाओं को लेकर सदस्यों के बीच पहुंच रहे हैं, जिससे कंपनी के भीतर चुनावी माहौल लगातार गमार्ता जा रहा है। आने वाले दिनों में प्रचार अभियान और बैठकों में और तेजी आने की संभावना है।

बड़ी राहत: GST क्षेत्राधिकार (Jurisdiction) बदलने पर नहीं रुकेंगी पुरानी कार्रवाईयाँ, CBIC ने जारी किया नया सर्कुलर

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने टैक्सपेयर्स को एक बड़ी स्पष्टता देते हुए सर्कुलर नंबर 255/01/2026-GST 25 जून 2026 जारी किया है। यह सर्कुलर उन मामलों के लिए है जहाँ कोई कारोबारी या टैक्सपेयर अपना मुख्य व्यावसायिक स्थान (Principal Place of Business) बदलने के कारण एक GST क्षेत्राधिकार (Jurisdiction) से दूसरे में माइग्रेट या ट्रांसफर हो जाता है।

इस महत्वपूर्ण फैसले पर बात करते हुए टैक्स मामलों के विशेषज्ञ करण चावला, एडवोकेट ने बताया, इस सर्कुलर से अब टैक्सपेयर्स और अधिकारियों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर होने वाले विवाद पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। यह व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

सर्कुलर की मुख्य बातें और स्पष्टीकरण: मंत्रालय ने कानून और न्याय मंत्रालय से सलाह मशविरा करने के बाद निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर स्थिति साफ की है:

पुरानी कार्रवाईयाँ रहेंगी पूरी तरह वैध: अगर आपके पुराने क्षेत्राधिकार के अधिकारी (Transferor Authority) ने ट्रांसफर से पहले कोई जांच, ऑडिट, शो-कॉज नोटिस (SCN), या अपील की प्रक्रिया शुरू की थी, तो वह ट्रांसफर के बाद भी पूरी तरह वैध रहेगी। क्षेत्राधिकार बदलने मात्र से वह अमान्य नहीं होगी।

करन चावला, एडवोकेट

नया अधिकारी संभालेगा कमान: टैक्सपेयर के नए क्षेत्राधिकार में जाने के बाद, आगे की सभी प्रक्रियाएं (जैसे आदेश पारित करना, रिकवरी करना या अपील दाखिल करना) नया अधिकारी (Transferee Authority) संभालेगा। प्रक्रिया वहीं से शुरू होगी जहाँ वह ट्रांसफर के समय रुकी थी।

पुराने अधिकारी पर रोक: एक बार टैक्सपेयर के माइग्रेट हो जाने के बाद, पुराना अधिकारी उसके खिलाफ कोई नई कार्रवाई या जांच शुरू नहीं कर सकता। अगर पुराने अधिकारी के ध्यान में कोई नया मामला आता है, तो वह इसकी जानकारी नए क्षेत्राधिकार के अधिकारी को सौंप देगा।

कोर्ट के फैसलों का हवाला

CBIC ने साफ किया है कि यह स्पष्टीकरण सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट्स द्वारा दिए गए फैसलों के सिद्धांतों के अनुरूप ही है, जिसमें यह माना गया है कि क्षेत्राधिकार बदलने से अतीत में की गई वैध कानूनी कार्रवाईयां शून्य नहीं होतीं।

नोट: इस सर्कुलर के आने से टैक्स विभागों के बीच काम का दोहराव रुकेगा और मामलों का निपटारा तेजी से हो सकेगा।

फिल्म 'सतलुज' ने छोड़ी गहरी छाप, जैन धर्मशाला में उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़

जीरकपुर/यूटर्न/11 जुलाई। गांव पभात स्थित जैन धर्मशाला में सामाजिक सरोकारों पर आधारित फिल्म 'सतलुज' का विशेष प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म का प्रदर्शन शुक्रवार को देर शाम को किया गया। फिल्म देखने के लिए बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सैकड़ों लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। दर्शकों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ फिल्म का आनंद लिया तथा इसकी कहानी और संदेश की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि फिल्म प्रदर्शन की

सूचना दो दिन पहले ही पूरे क्षेत्र में दे दी गई थी। प्रारंभिक योजना के अनुसार इसका प्रदर्शन गांव के गुरुद्वारा साहिब परिसर में होना था, लेकिन मौसम के अचानक बदलते मिजाज और बारिश की संभावना को देखते हुए कार्यक्रम का स्थान बदलकर जैन धर्मशाला कर दिया गया, ताकि किसी भी दर्शक को असुविधा न हो।

फिल्म के प्रदर्शन के दौरान पूरा सभागार खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और उपस्थित लोगों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं प्रेरणादायक आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सेंट्रल जेल में बंद हवालाती की मौत, परिवार ने समय पर इलाज न मिलने के लगाए आरोप

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। लुधियाना सेंट्रल जेल में एक हवालाती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान अर्शदीप सिंह (19) के रूप में हुई है। उसकी मां ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके बेटे की मौत बीमारी से नहीं, बल्कि जेल अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी के कारण हुई है। पटियाला के सुलर घराट (झुंगोपत्ती) निवासी सरबजीत कौर का बेटा अर्शदीप लुधियाना सेंट्रल जेल में बंद था। अर्शदीप के खिलाफ इसी साल 22 मार्च को थाना दाखा में मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में वह न्यायिक हिरासत के तहत लुधियाना सेंट्रल जेल में बंद था। मृतक की मां सरबजीत कौर ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 3 जुलाई को जेल में अर्शदीप की अचानक तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर जेल प्रशासन ने उसे लुधियाना के सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसी दिन उसकी मौत हो गई। इसके बाद 4 जुलाई को इलाका मजिस्ट्रेट/जज की निगरानी में अर्शदीप के शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी से मिले कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, चंडीगढ़ के चेयरमैन आसिफ चौधरी

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, चंडीगढ़ के चेयरमैन आसिफ चौधरी ने अपने साथियों के साथ पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी से लुधियाना में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान कौम की बेहतरी, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव, युवाओं के भविष्य तथा आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के बाद आसिफ चौधरी ने कहा, ₹समाज की तरक्की शिक्षा, आपसी एकता और संवाद से ही संभव है। हमारा प्रयास है कि सभी धर्मों और समुदायों के बीच प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का वातावरण और मजबूत हो। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द चंडीगढ़ में एक सर्वधर्म सद्भाव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी विशेष रूप से शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में सभी धर्मों के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक गुरु भी एक मंच पर उपस्थित रहेंगे और देश में भाईचारे, अमन, सामाजिक एकता तथा सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देंगे। आसिफ चौधरी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को एकता, प्रेम और आपसी सम्मान का संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्री राम ग्लोबल स्कूल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए लगे रक्तदान कैंप में 44 यूनिट रक्तदान एकत्रित

लुधियाना/यूटर्न/11 जुलाई। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सहायता के उद्देश्य से श्री राम ग्लोबल स्कूल, न्यू यंग फाइव स्टार क्लब एवं भोले बाबा रत्न मुनि जैन युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में मॉल रोड स्थित श्री राम ग्लोबल प्री-स्कूल में विशाल रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में शहरवासियों ने पूरे उत्साह और सेवा भावना के साथ भाग लेते हुए 44 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदानियों का जोश और मानव सेवा के प्रति समर्पण पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान कर यह साबित किया कि वे समाज सेवा के क्षेत्र में किसी से कम नहीं हैं। कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में, एडीसीपी रमनदीप भुल्लर, विश्वा जैन, नीलम जैन (कंगारू ग्रुप), मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन दर्शन लाल बवेजा, अंसल एस्टेट के एस.एस. खुराना, ज्वाइंट कमिश्नर नीरज जैन, पक्षी सेवा सोसायटी से अशोक थापर, सीए संजीव जैन, आप नेता मनु जैरथ, नोबल फाउंडेशन से राजिंदर शर्मा, पंजाब स्टेट वूमेन कमीशन की सदस्य अर्जिंदर कौर, ब्राह्मण वेलफेयर बोर्ड के सीनियर वाइस चेयरमैन वरुण मेहता, नीकमल ज्वैलर्स के चंद्रकांत जैन, धार्मिक गायक कुमार संजीव, एडवोकेट रजनीश बांसल, एडवोकेट संदीप बहल, राजीव जैन, राकेश टंडन, शिवम अरोड़ा, अमन जैन, अतुल जैन, बॉबी मल्होत्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री राम ग्लोबल स्कूल टीम से अशोक गर्ग, गिरीश गर्ग, कुंज गर्ग, आँचल गर्ग, साक्षी गर्ग, सुकृति गर्ग, प्रिंसिपल शिवानी चौधरी मौजूद थे।

'चार दिन की हड़ताल, सरकार का बुरा हाल': जगरांव में सफाई कर्मचारियों का आक्रोश चरम पर

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/11/जुलाई। पंजाब भर में सफाई सेवक यूनियन के आह्वान पर चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल आज चौथे दिन भी पूरी ताकत के साथ जारी है। सरकार की उपेक्षापूर्ण नीति के खिलाफ नगर परिषद जगरांव के सफाई कर्मचारियों, सीवरमैनों, पंप ऑपरेटरों, फायर ब्रिगेड ड्राइवरों और अन्य निगम कर्मियों ने मोर्चा खोल दिया है। शहर भर में विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी कर कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी दी है।

यूनियन का रुख

हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक सरकार ठोस समाधान के साथ टेबल पर नहीं आती।

सरकार के उदासीन रवैये पर भड़के कर्मचारी

जिला प्रधान अरुण गिल ने कड़े शब्दों में सरकार की आलोचना करते हुए कहा, ₹चार दिन बीत जाने के बाद भी सरकार का कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। यह स्थिति सरकार की कर्मचारियों की मांगों के प्रति गंभीर न होने का प्रमाण है।₹ उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने जल्द ही अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ी, तो इस संघर्ष को और अधिक उग्र किया जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी पंजाब सरकार की होगी।

एकजुटता ही हमारी ताकत: यूनियन

यूनियन के नेताओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि कर्मचारियों की एकता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। किसी भी बाहरी दबाव या फूट डालने वाली साजिशों को कर्मचारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। यूनियन ने सभी कर्मियों से आह्वान किया है कि वे पूरी एकजुटता के साथ अपने अधिकारों के लिए जारी इस लंबी लड़ाई को तब तक जारी रखें, जब तक उनकी जायज मांगें मान नहीं ली जातीं।

सेवा और सहयोग का संकल्प...नवनियुक्त पदाधिकारियों ने एस.आर कलेर से की मुलाकात

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/11/जुलाई। गांव डल्ला की सहकारी सभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने आज पूर्व विधायक और शिरोमणि अकाली दल के कोर कमेटी सदस्य एस.आर. कलेर के आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए श्री कलेर ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। सहकारी सभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों में स. इंद्रजीत सिंह बिट्टू (प्रधान), स. अवतार सिंह चहल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) और स. गुरदीप सिंह नया डल्ला (उपाध्यक्ष) शामिल हैं।

किसानों की मजबूती के लिए प्रतिबद्धता...नवनियुक्त टीम को संबोधित करते हुए एस.आर. कलेर ने कहा कि सहकारी सभाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आर्थिक मजबूती की रीढ़ हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और सेवाभाव के साथ काम करते हुए न केवल सोसाइटी के सदस्यों के हितों की रक्षा करेगी, बल्कि संस्था को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

जीएचजी अकादमी में टाइपिंग प्रतियोगिता

विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी डिजिटल दक्षता

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/11/जुलाई। स्थानीय जी.एच.जी. अकादमी में आज कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के बीच एक अंतर-हाउस टाइपिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में कंप्यूटर साक्षरता को प्रोत्साहित करना और उन्हें आधुनिक डिजिटल युग की अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए तैयार करना था।

टाइपिंग की गति और सटीकता का प्रदर्शन प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने कीबोर्ड पर अपनी उंगलियों की जबरदस्त गति का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर एक विशेष अनुच्छेद टाइप करना था। इस चुनौती में न केवल गति (Speed) को परखा गया, बल्कि टाइपिंग की शुद्धता (Accuracy) पर भी विशेष ध्यान दिया गया। विद्यार्थियों ने बड़े संयम और

एकाग्रता के साथ अपना कार्य पूर्ण किया, जिससे वहां एक उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

अजीत हाउस का रहा दबदबा: कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, निर्णायकों द्वारा परिणामों की घोषणा की गई।

प्रथम स्थान: हरजाप कौर (अजीत हाउस)
द्वितीय स्थान: हसरत कौर (अजीत हाउस)
तृतीय स्थान: पलकप्रीत कौर (जुझार हाउस)

भविष्य के लिए प्रेरणा...विजेताओं को सम्मानित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि, तकनीकी कौशल आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में न केवल आत्मविश्वास भरती हैं, बल्कि उन्हें भविष्य में अकादमिक और व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

कार्यक्रम के समापन पर प्रिंसिपल ने सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह पूरी लगन से नई तकनीक सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

डेरे के बाहर युवक को गोलियों से भूना, 5 राउंड फायर, कहासुनी के बाद अटैक किया

अमृतसर/यूटर्न/11 जुलाई। अमृतसर में शुक्रवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी मोटरसाइकिल पर युवक के डेरे पर पहुंचे और उसे बाहर आने के लिए आवाज लगाई। जैसे ही वह बाहर आया, दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। जब विवाद बढ़ा तो बदमाशों ने पिस्टल से 5 राउंड फायर कर दिया। गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ा। परिवार के सदस्य उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गुरअवतार सिंह के रूप में हुई है, जो अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। घटना के बाद गांव में दहशत और परिवार में मातम का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों के बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

पिता बोले- रंजिश में बेटे को मारा...गांव शहूरा निवासी मृतक के पिता लाहौरा सिंह ने बताया कि बेटे गुरअवतार सिंह (24) की गांव के गुरजंट सिंह, हनी और उनके अन्य साथियों के साथ काफी समय से रंजिश चल रही थी। शुक्रवार रात 11 बजे आरोपी मोटरसाइकिल पर उनके डेरे पहुंचे और गुरअवतार सिंह को बाहर बुलाया। बाहर आने के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद बेटे पर अटैक कर दिया गया।

अवैध संबंधों के शक में गर्भवती पत्नी की हत्या, पेट में जुड़वा बच्चों की भी मौत

पंजाब/यूटर्न/11 जुलाई। मानसा जिले के ठूठियांवाली गांव में एक गर्भवती महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। मृतका के गर्भ में जुड़वा बच्चे थे। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, ठूठियांवाली गांव की 22 वर्षीय सिमरजीत कौर ने बुर्ज राठी गांव के एक युवक से प्रेम विवाह किया था। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से उनके आनंद कारज भी संपन्न हुए थे। प्रसव के लिए सिमरजीत कौर अपने मायके आई हुई थीं। मृतका के चाचा मेवा सिंह और चचेरे भाई मनदीप सिंह ने बताया कि सिमरजीत कौर के पति को उस पर अवैध संबंधों का शक था। इसी शक के चलते वह बीती रात अपने ससुराल पहुंचा। उसने सिमरजीत कौर को कमरे से बाहर बुलाया और उसके गले पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक सिमरजीत कौर की फाइल फोटो

मनीमाजरा थाने का वीडियो वायरल: ड्यूटी के दौरान जूनियर से मसाज कराते दिखे हेड कांस्टेबल

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। मनीमाजरा थाने में तैनात हेड कांस्टेबल सुनील कुमार का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह कथित तौर पर एक जूनियर पुलिसकर्मी से सिर की मसाज कराते हुए नजर आ रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो करीब दो महीने पुराना है। जानकारी के अनुसार खरड़ निवासी नीरज ने अपने साथ हुई कथित धोखाधड़ी के मामले में मनीमाजरा थाने में शिकायत दी थी। नीरज का आरोप है कि शिकायत के संबंध में उसे थाने बुलाया गया, लेकिन दूसरी पार्टी को नहीं बुलाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें काफी देर तक थाने में बैठाकर रखा गया और इस दौरान उनकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी गुट को नया कप्तान चाहिए, बघेल ने अपनी 'पोस्ट-मैन' वाली भूमिका साफ की

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। पंजाब कांग्रेस की कभी न खत्म होने वाली अंदरूनी कलह में शुक्रवार को एक और अध्याय जुड़ गया। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी 92 से ज्यादा चिंतित नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल से मिलने पहुंचे। नतीजा? ढेर सारी शिकायतें, लेकिन कोई तुरंत राहत नहीं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के खिलाफ प्रतिनिधिमंडल की सामूहिक बात को धैर्यपूर्वक सुनने के बाद, बघेल ने सभी को कांग्रेस की एक पुरानी परंपरा की विनम्रता से याद दिलाई: फैसले कहीं और लिए जाते हैं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों को भरोसा दिलाया कि हालांकि वडिंग को बदलना उनके हाथ में नहीं है, लेकिन वे उनकी शिकायतें पार्टी आलाकमान तक ईमानदारी से पहुंचाएंगे। जहां ऐसी कई शिकायतें इतिहास में 'शांतिपूर्ण रिटायरमेंट' के लिए जाती रही हैं। सूत्रों ने बताया कि वहां मौजूद ज्यादातर लोगों ने वडिंग को बदलने की अपनी मांग दोहराई। उनका आरोप था कि वडिंग के नेतृत्व ने राज्य इकाई के भीतर मतभेदों को पाटने के बजाय उन्हें और बढ़ाया है।

बघेल ने घटनाओं का अलग नजरिया किया पेश

वहीं, बघेल ने घटनाओं का एक अलग और शांत नजरिया पेश किया। उन्होंने कहा कि किसी ने भी कांग्रेस आलाकमान के अधिकार को चुनौती नहीं दी और जोर देकर कहा कि पंजाब कांग्रेस प्रमुख के तौर पर वडिंग को बदलने पर कोई चर्चा नहीं हुई। उनके अनुसार, नेताओं ने केवल संगठनात्मक मुद्दों और टिकट बंटवारे को लेकर चिंताएं जताईं, जिन्हें उन्होंने पार्टी नेतृत्व के सामने रखने का वादा किया। दूसरी ओर, असंतुष्ट नेता यह मानकर लौटे कि उन्होंने वडिंग के खिलाफ एक जोरदार और स्पष्ट संदेश पहुंचा दिया है। बघेल यह कहते हुए लौटे कि सब खुश थे। पंजाब कांग्रेस में ऐसा लगता है कि दोनों बातें सच हो सकती हैं, कम से कम अगली बैठक तक।

रंधावा ने बातचीत को बताया फायदेमंद

बैठक से बाहर निकलते हुए, वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बातचीत को ₹फायदेमंद₹ बताया। उन्होंने तर्क दिया कि अगर राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतना चाहती हैं, तो कभी-कभी उन्हें अपने फैसले बदलने पड़ते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर आप सरकार को चुनौती देने के लिए पंजाब में एक एकजुट कांग्रेस की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पार्टी को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो निडर होकर बोलें, न कि ऐसे नेताओं की जो ₹समझौता₹ करते हों, हालांकि उन्होंने वडिंग का नाम नहीं लिया।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

2027 के चुनावों से पहले पंजाब की राजनीति में बढ़ती तपिश

पंजाब में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव अभी कुछ समय दूर हैं, लेकिन राजनीतिक माहौल अभी से गर्म होने लगा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। विभिन्न राजनीतिक दल जनता का विश्वास जीतने के लिए नए समीकरण बना रहे हैं, वहीं कई दलों के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर मतभेद भी खुलकर सामने आ रहे हैं। हाल के दिनों में विपक्षी दलों की रणनीतियों और आंतरिक खींचतान ने यह संकेत दिया है कि चुनावी मुकाबला बेहद रोचक और बहुकोणीय हो सकता है। नपंजाब के मतदाता इस बार केवल चुनावी वादों से संतुष्ट नहीं होंगे। वे रोजगार, कृषि, उद्योग, कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर ठोस जवाब चाहते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के सामने जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने की बड़ी चुनौती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पंजाब की राजनीति इस समय एक धधकते ज्वालामुखी की तरह दिखाई दे रही है। यदि दलों के भीतर मतभेद बढ़े या जनसमस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो जनता का आक्रोश चुनावी परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकता है। आने वाले महीनों में पंजाब की राजनीति और भी अधिक तीखी तथा निर्णायक होने की संभावना है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Online Fraud होने पर सबसे पहले क्या करें?

आज के समय में UPI, Internet Banking और Online Fraud के बढ़ते उपयोग के साथ Online Fraud के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में सही समय पर उठाया गया एक कदम आपका पैसा बचा सकता है।

यदि आपके साथ Online Fraud हो जाए, तो सबसे पहले अपने बैंक की Customer Care पर तुरंत कॉल करें और संबंधित Transaction को Block करवाने का प्रयास करें। जितनी जल्दी कार्रवाई होगी, पैसा वापस मिलने की संभावना उतनी अधिक हो सकती है।

इसके बाद National Cyber Crime Helpline 1930 पर तुरंत शिकायत करें या National Cyber Crime Reporting Portal पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। शिकायत करते समय Transaction ID, Bank Account Number, Screenshot और अन्य उपलब्ध जानकारी अपने पास रखें।

यदि मामला गंभीर है, तो नजदीकी Cyber Police Station या स्थानीय पुलिस स्टेशन में भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

ध्यान रखें कि OTP, UPI PIN, CVV, Password या Screen Sharing App के माध्यम से किसी भी व्यक्ति को अपने बैंक की जानकारी कभी भी साझा न करें। बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन पर ऐसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। कई लोग शर्म या घबराहट के कारण शिकायत करने में देर कर देते हैं। यही देरी कई बार पैसा वापस मिलने की संभावना को कम कर देती है।

निष्कर्ष: Online Fraud होने पर हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। तुरंत बैंक को सूचित करें, 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें और आवश्यक साक्ष्य सुरक्षित रखें। समय पर की गई कार्रवाई नुकसान को कम कर सकती है।

विरवानम फाउंडेशन ने नगर निगम चंडीगढ़ को 1,050 स्वदेशी पौधे भेंट किए, हरित अभियान को मिला नया बल

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। चंडीगढ़ में चल रहे वन महोत्सव 2026 के दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विरवानम फाउंडेशन के संस्थापक मास्टर वीरप्रताप थिंद ने नगर निगम चंडीगढ़ को 1,050 स्वदेशी फलदार एवं फूलदार पौधे भेंट किए। इस अवसर पर सेक्टर-9 स्थित लिली गार्डन में 350 पौधे लगाए गए। इनमें 50 स्वदेशी वृक्ष, जिनमें अंजीर, आम और आंवला शामिल हैं, तथा 300 फूलदार झाड़ियां, जिनमें हैमेलिया, गुड़हल (हिबिस्कस) और टेकोमा शामिल हैं, का रोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने पौधे लगाए। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रशासन, नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। विरवानम फाउंडेशन द्वारा किया गया यह योगदान शहर की हरित विरासत को मजबूत करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा स्वदेशी पौधों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नगर निगम चंडीगढ़ के आयुक्त ने मास्टर वीरप्रताप थिंद का इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास चंडीगढ़ को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील शहर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

खरड़ के रियल एस्टेट कारोबारी से दो लाख की मांगी रंगदारी - गोल्डी ढिल्लों के नाम पर मिली जान से मारने की धमकी

मोहाली/यूटर्न/11 जुलाई। ट्राइसिटी में गैंगस्टरों के नाम पर रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में खरड़ के एक रियल एस्टेट कारोबारी से खुद को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों बताने वाले अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप मैसेज और कॉल के जरिए दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रकम नहीं देने और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में खरड़ निवासी रियल एस्टेट कारोबारी अनमोल बांगला ने बताया कि उसके पिता के मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप के जरिए संदेश भेजा। मैसेज भेजने वाले ने खुद को गोल्डी ढिल्लों बताते हुए एक बैंक खाता नंबर भेजा और उसमें दो लाख रुपये जमा कराने को कहा। आरोप है कि मैसेज में यह भी लिखा गया कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। धमकी देने वाले ने यह तक कहा कि उनका भी वही हाल किया जाएगा जो चंडीगढ़ के कुमार मेडिकल स्टोर के मालिक का किया गया था। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सएप कॉल कर गाली-गलौज की और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकियां दीं। इससे परिवार दहशत में आ गया और मामले की शिकायत साइबर क्राइम पुलिस से की गई। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(2), 351 और 62 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस व्हाट्सएप कॉल, मैसेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

रंजिश में युवक पर अंधाधुंध फायरिंग, लहूलुहान हो जमीन पर गिरा, हालत गंभीर

पंजाब/यूटर्न/11 जुलाई। बटाला में रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। एक पक्ष ने दूसरे पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अमृतसर रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उसके शरीर में कई गोलियां लगी थीं। मृतक की पहचान मनपिंदर सिंह उर्फ मन्ना (35) के रूप में हुई है। वह गांव सीदा का रहने वाला था। शुक्रवार देर शाम रंजिश को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि गाली-गलौज होने लगी। गांव के ही एक युवक ने मन्ना पर पिस्तौल तान दी और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से वह लहूलुहान होकर वहीं जमीन पर गिर गया।

मृतक मनपिंदर सिंह उर्फ मन्ना की फाइल फोटो

नाजुक हालत के चलते किया था अमृतसर रेफर

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गोलीबारी की आवाज सुनकर पहुंचे परिजनों ने मनपिंदर को खून से लथपथ हालत में तुरंत बटाला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत और शरीर में लगी कई गोलियों को देखते हुए उसे अमृतसर के एक उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। हालांकि, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डीएसपी फतेहगढ़ चूड़ियां ललित ने बताया कि शुरूआती जांच में दोनों पक्षों के बीच रंजिश की बात सामने आई है।

बाबा के भेष धारण कर आए कार सवार बदमाश, महिला के टॉप्स छीने, दूर तक घसीटते ले गए साथ

जालंधर/यूटर्न/11 जुलाई। जालंधर में बाबा का भेष धारण कर आए तीन लुटेरों ने दिनदहाड़े महिला को लूट लिया। पहले महिला को अपनी बातों में उलझाया और फिर उसकी कान की बाली छीन कर भाग गए। लुटेरे कार पर आए थे और सब्जी ले रही महिला से पता पूछने लगे।

जैसे ही महिला रस्ता बताने लगी तो लुटेरे उसके गहनों की तारीफ करने लगे। तभी ड्राइवर सीट के साथ बैठा लूटेरा सीधा महिला का टॉप्स खींचने लगा। विरोध करने पर लुटेरे कार भगाने लगे। महिला कार पर ही लटक गई तो उसे करीब 100 मीटर तक कार से घिसटते ले गए। घटना में महिला के मुंह और सिर में चोट लगी। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। उधर, पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी में लाल रंग की ऑल्टो कार महिलाओं के पास रुकती है।

तभी उसमें सवार आरोपी एक महिला से कुछ बात करता है। आरोपी काफी देर महिला से बातचीत करता है। इसके बाद गहनों की तारीफ कर महिला को अपने पास बुला लेता है। थाना डीवीजन नं 1 के एसएचओ राकेश कुमार ने बताया की महिला के शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

शादी से इंकार करने पर युवक ने की खुदकुशी, प्रेमिका के खिलाफ केस दर्ज

पंजाब/यूटर्न/11 जुलाई। अबोहर के गांव नरैणपुरा में प्रेम प्रसंग के विवाद के बाद युवक ने शकी हालातों में आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान 23 वर्षीय अक्षय कुमार के रुप में हुई है। सूचना मिलने पर बहाववाला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने युवती मुस्कान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के पिता विजयपाल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनका बेटा अक्षय कुमार गांव सुखचैन निवासी मुस्कान से विवाह करना चाहता था। मुस्कान अक्सर अक्षय की लाइब्रेरी में पढ़ने आती थी, जिससे दोनों की जान-पहचान कथित तौर पर प्रेम संबंध में बदल गई थी। परिवार के अनुसार, अक्षय इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहता था।

मृतक अक्षय कुमार की फाइल फोटो

बेटा मानसिक रूप से परेशान था

पिता ने बताया कि युवती द्वारा विवाह से इनकार किए जाने के बाद अक्षय मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था। परिजनों के अनुसार, 6-7 जुलाई की अल सुबह अक्षय ने बठिंडा के पास नहर में कूदकर कथित तौर पर आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोहाली में 'गेटवे टू बियॉन्ड वीजा' का लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित

मोहाली/यूटर्न/11 जुलाई। मोहाली के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीसी) गीतिका सिंह ने पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल्स रेगुलेशन एक्ट, 2012 के तहत कार्रवाई करते हुए फेज-11 स्थित गेटवे टू बियॉन्ड वीजा कंसल्टेंसी का लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है। साथ ही फर्म को 15 दिनों के भीतर कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं कि उसका लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द क्यों न कर दिया जाए। जानकारी के अनुसार फर्म फेज-11 मोहाली में संचालित है।

ग्लैमरस लुक में दीपिका पादुकोण ने खींचा ध्यान

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने अभिनय के साथ-साथ बेहतरीन फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी ब्राउन वन-शोल्डर कट-आउट ड्रेस में सामने आई तस्वीर ने एक बार फिर लोगों का ध्यान खींचा है। ड्रेप्ड डिजाइन और बॉडी-फिटिंग स्टाइल ने उनके लुक को बेहद बोल्ड और ग्लैमरस बना दिया। दीपिका ने इस आउटफिट के साथ कम मेकअप, खुले बाल और बिना ज्यादा एक्सेसरीज के सादगी भरा अंदाज अपनाया। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और दमदार पोज तस्वीर की खासियत बना हुआ है। सोशल मीडिया पर प्रशंसक उनके इस फैशन एक्सपेरिमेंट की तारीफ कर रहे हैं। दीपिका अक्सर रेड कार्पेट और फोटोशूट में पारंपरिक फैशन से हटकर नए प्रयोग करती नजर आती हैं। उनका यह लुक भी आधुनिक डिजाइन, आत्मविश्वास और ग्लैमर का मजबूत मेल पेश करता है।

घग्गर का तेज बहाव बना जानलेवा, दोस्त को बचाने उतरा युवक भी डूबा

डेराबस्सी/यूटर्न/11 जुलाई। घग्गर नदी में बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के बीच शनिवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। मछली पकड़ने गए तीन दोस्तों में से एक का पैर फिसलने के बाद उसे बचाने के प्रयास में दूसरा युवक भी नदी में कूद गया। देखते ही देखते दोनों तेज बहाव में लापता हो गए, जबकि तीसरे युवक ने नदी किनारे उगी झाड़ियों और पेड़ों की जड़ों को पकड़कर किसी तरह अपनी जान बचा ली। देर शाम तक पुलिस और रेस्क्यू टीम की ओर से तलाश अभियान जारी रहा, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका।

जानकारी के अनुसार, मनीमाजरा स्थित इंदिरा कॉलोनी निवासी चंदा, सुरिंदर और दर्शन शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे भांखरपुर के पास घग्गर नदी में मछली पकड़ने पहुंचे थे। तीनों नदी के बहते पानी में कांटे डालकर मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान दर्शन का संतुलन बिगड़ गया और वह तेज बहाव में बहने लगा। अपने दोस्त को बचाने के लिए सुरिंदर बिना देर किए नदी में कूद गया, लेकिन पानी का वेग इतना अधिक था कि वह भी बहाव की चपेट में आ गया। दोनों को बचाने के प्रयास में चंदा भी पानी में फंस गया, लेकिन उसने सूझबूझ दिखाते हुए नदी किनारे उगी झाड़ियों और पेड़ों की जड़ों को पकड़ लिया, जिससे उसकी जान बच गई। हादसे में लापता दोनों युवकों की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में मातम पसर गया। बड़ी संख्या में परिजन और रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए और देर शाम तक नदी किनारे अपनों की तलाश में बैठे रहे। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में भी खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मुबारकपुर पुलिस पोस्ट प्रभारी कुलवंत सिंह ने बताया कि घटना की सूचना बनूड़ पुलिस और संबंधित रेस्क्यू टीम को भी दे दी गई है, क्योंकि नदी का बहाव आगे की ओर जा रहा है। शनिवार को पूरे दिन पुलिस और रेस्क्यू कर्मियों ने सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन दोनों युवकों का पता नहीं चल सका। संभावना जताई जा रही है कि तेज बहाव के कारण वे काफी दूर तक बह गए हों। रविवार को भी तलाश अभियान जारी रहेगा।

वृंदावन हादसे में काल के गाल में समाए श्रद्धालुओं को जगरांव में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/11/जुलाई। वृंदावन में हाल ही में हुई हृदयविदारक किश्ती दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की आत्मिक शांति के लिए जगरांव की प्रमुख समाजसेवी संस्था 'कर भला हो भला' द्वारा एक विशेष श्रद्धांजलि सभा और लंगर का आयोजन किया गया।

मानवता की सेवा में जुटी संस्था...इस कठिन घड़ी में पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि यह दुखद घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'कर भला हो भला' संस्था का उद्देश्य न केवल समाज सेवा करना है, बल्कि ऐसे दुखद समय में पीड़ितों के दुखों को साझा करना और उनके प्रति सहानुभूति प्रकट करना भी है।

श्रद्धालुओं को दी गई श्रद्धांजलि...लंगर के दौरान स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में शिरकत की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मौन रखकर उन्हें नमन किया। इस आयोजन में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों ने ईश्वर से पीड़ित परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

जगरांव में स्वास्थ्य विभाग का सराहनीय प्रयास

मेडिकल कैंप में लोगों को दी गई स्वास्थ्य और नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/11/जुलाई। समाज को स्वस्थ और नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आज जगरांव के सिविल अस्पताल द्वारा 5 नंबर चुंगी के पास एक विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. अमन शर्मा के कुशल नेतृत्व और दिशा-निर्देशों के तहत संपन्न हुआ।

कैंप की मुख्य विशेषताएं: इस शिविर में 'समर्थ एनजीओ' की सक्रिय भागीदारी रही, जिसने लोगों के स्वास्थ्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया।

कैंप के दौरान प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार रहीं:

एचआईवी/एड्स जागरूकता: आमजन को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनके नि:शुल्क टेस्ट किए गए।

नशा मुक्ति अभियान: नशा समाज के लिए एक अभिशाप है। इसे ध्यान में रखते हुए टीम ने लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया और इसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

स्वास्थ्य परामर्श: उपस्थित चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया और उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने का सुझाव दिया।

सफल आयोजन में इनका रहा विशेष योगदान...इस जन-हितैषी कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की। कार्यक्रम में एलटी मनप्रीत सिंह, डॉ. सुरिंदर सिंह झमट्ठ, प्रोजेक्ट मैनेजर अमनदीप कौर, काउंसलर नवदीप कपिल और स्टाफ नर्स किरणदीप कौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त, अमनदीप सिंह मल्ही, अमनदीप सिंह सिद्धू, परमिंदर कौर और हरप्रीत सिंह सेखों सहित पूरी स्वास्थ्य टीम और एनजीओ के सदस्यों ने अपनी सेवाएं देकर इस कैंप को सफल बनाया। स्थानीय निवासियों ने स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास की सराहना की और इसे समाज के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

जसबीर सिंह बंटी लगातार तीसरी बार चंडीगढ़ टेंट डीलर्स सोसायटी के प्रधान निर्वाचित

चंडीगढ़/यूटर्न/11 जुलाई। चंडीगढ़ टेंट डीलर्स सोसायटी की जनरल हाउस बॉडी की बैठक होटल गौर, सेक्टर-43, चंडीगढ़ में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी अमनदीप सिंह ने की। बैठक की शुरूआत में वर्तमान कार्यकारिणी को विधिवत भंग किया गया तथा चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए अनिल वोहरा को सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारी अनिल वोहरा ने उपस्थित सदस्यों से पूछा कि क्या प्रधान पद के लिए चुनाव कराया जाए अथवा कोई अन्य सदस्य चुनाव लड़ना चाहता है। इस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने हाथ खड़े कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर एवं पार्षद जसबीर सिंह बंटी को आगामी तीन वर्षों के लिए पुन: चंडीगढ़ टेंट डीलर्स सोसायटी का प्रधान नियुक्त किया जाए। इस प्रस्ताव का समर्थन करम सिंह (दशमेश टेंट हाउस) तथा राजू धालीवाल (राजू टेंट हाउस) ने किया।

जीरकपुर के जलभराव-सीवर संकट पर नगर परिषद को कानूनी नोटिस, 48 घंटे का अल्टीमेटम

जीरकपुर/यूटर्न/11 जुलाई। शहर में हर बारिश के बाद होने वाले जलभराव, ओवरफ्लो सीवर और बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता निखिल शर्मा ने जीरकपुर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में नगर परिषद को 48 घंटे के भीतर प्रभावी राहत कार्य शुरू करने का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी गई है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने के साथ-साथ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और राज्य मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया जाएगा। नोटिस में कहा गया है कि नगर परिषद अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रही है। मामूली बारिश के बाद भी शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो जाता है, जिससे आम लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। राष्ट्रीय राजमार्ग समेत प्रमुख सड़कों पर घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है और एंबुलेंस सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही भी बाधित होती है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार। Contact - +91 9814295372